तर्ज- चरखा मेरा रंग
निजघर मेरा रंगरंगीला,नूर भरी मोहलातां
उसनूं मैं याद करां,जद सुरता नाल वेखां

1- सौ सीढ़ियां चढ़ ऊपर जावां,
सन्मुख दर्श धनी जी दा पावां
कर प्रणाम मैं शीश झुकावां,मूलमिलावा वेखां

2- कंचन रंग सिहांसन सोहे
छः पाये छः डांडे सोहे
छः डांडों पर छः कलश हैं,दो छतरी ऊपर वेखां

3- पाँच हैं तकिए गादी सोहे
छतरी ऊपर झालर सोहे
ऊपर लगा है चन्द्रवा,नीचे गिलम मैं वेखां

4- राज श्यामा जी बैठे मेरे हैं
नूर की चौकी पर चरण धरे हैं
लांक तली ते लाल एड़ियां,विच विच सुन्दर रेखां

Nijanand App